॥श्रीजिनायनमः॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं राय[illegible]हे [illegible] होत्था तस्स णं रायगिहस्स नयरस्स

[illegible] रायगिहे होत्था [illegible] चेलणा देवी [illegible] रायगिहे [illegible] बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसिभाए एत्थ णं

गुणसिलए चेइए होत्था तेणं कालेणं तेणं [illegible] रायगिहे नयरे अज्जसुहम्मे नामं थेरे जाव गुण

सिलए चेइए तेणं समोसरिए परिसा निग्गया धम्मो कहिओ परिसा पडिगया तेणं कालेणं तेणं स

मएणं अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी जंबू [illegible] समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगड

दसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते नवमस्स णं भंते अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के

अट्ठे पण्णत्ते तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबू अणगारं एवं वयासी एवं खलु जंबू समणेणं जाव संपत्ते १

णं नवमस्स णं अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं तिन्नि वग्गा पण्णत्ता जइ णं भंते समणेणं जाव संपत्तेणं

[illegible] नवमस्स [illegible] अणुत्तरोववाइयदसाणं [illegible] पढमस्स णं भंते वग्गस्स अणुत्तरोव

वाइयदसाणं [illegible] समणेणं जाव संपत्तेणं [illegible] एवं खलु जंबू समणेणं जाव संप

[illegible] अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स [illegible] पण्णत्ता [illegible] जालि मयालि

[illegible] उवयालि पुरिससेणे [illegible] दीहदंते [illegible]

[illegible] जइ णं भंते समणेणं [illegible] वग्गस्स दस अ

ज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते अज्झयणस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अ

ट्ठे पण्णत्ते एवं खलु जंबू तेणं कालेणं तेणं [illegible] रायगिहे नयरे होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे गुणसिलए

चेइए सेणिए राया धारिणी देवी सीहे सुमिणे [illegible] जालिकुमारो जहा मेहो अट्ठट्ठओ दाओ जाव उप्पिं

श्रीकल्प० २

संसारनासकघनो मतीतिको — विणविवरेतेणेकाले २ | स० श्रमणतपस्वी जा० यावत् — स० समवसस्या | त० जावंतम० — श्रीमहावीर | से० श्रेणिकना — मे राजा | नि० निवृत्ति — निकले | त० तिमम० — मारनिकली

[illegible] तेणं कालेणं [illegible] समणेणं [illegible] राठीने [illegible]

त० तिमजा० जाणि — कुमारनिकले — वंदिवा | त० तिमज — नि० दिक्षा — लिखी | [illegible] | ए० इमा — रे० श्रे० — ना | अ० ना — एपा | गु० गुण — रतन | त० त — एक

माजे तहा जाणित्ति निक्कंत तद्देव [illegible] दो [illegible] माई [illegible] जइ [illegible]

ज० जिमरव० षंदकनी — परेजाणवो | ए० इमसाणे — इ० निष्क्रेकरीने | स्थ० षंदकनीपरे — क्रियारंजाणवो | सा० तेहीज — विक्रवण | अ० [illegible] — पूछीने | थ० स्थविरसम० — संघाते | वि० विपु — लनामा

ठस्स तहारूवस्स एवंसाईव [illegible] साणवितवण आवट्टण थेरेहिंसद्धिं विउलं

व० पाहेतनेविषे — त० तिमज | इ० वंदेत — टीने | न० एतलो — विशेष | सी० सा — ले | ग० व — बेनो | सा० मासिक — श्रीय | पा० पाली — ने | का० कालनेअवसरेकाल — कि० करीने

दंडसंतहेव उक्कट्टंति तहरं सोउस [illegible] रियाए साजुगिला कालमासे कालकिच्चा

ज० जेचोथ० — चंद्रमा | सो० सोधर्म इ० इशान — देवलोकजोपीने जा० | पू० [illegible] — कु० देवलोकने [illegible] | [illegible] | मा० [illegible] — मालीने | उ० [illegible] — अतिक्रमीने [illegible]

[illegible] म सोहम्मीसाणं [illegible] [illegible] त्रिसाए [illegible] उड्ढं दूरं वीईवंता

[illegible] नामा — [illegible] नेविषे | दे० देवता — पणे | उ० क — पना | त० तिह — [illegible] | [illegible] नामे — [illegible] मारि | का० कालकही जा० जाणी — नेपवे

[illegible] विमाणे देवताए उववण्णे तत्थ [illegible] तो [illegible]

प० [illegible] सनोका० [illegible] की [illegible] — लोमा [illegible] [illegible] करीने | प० पात [illegible] नेसी० [illegible] — लीधालेई | त० तिमज [illegible] — त० तिमजनतस्या | जा० यावत [illegible] — [illegible]

[illegible] कालस्स [illegible] तिच्चा [illegible]

आ० आचार [illegible] — कानातं० [illegible] | [illegible] | त० न — गवंत | गो० गौतम — मस्वामीने | जा० यावत [illegible] — देवेतानकपिख [illegible] | [illegible] करीनेदे० | [illegible] | जा० [illegible] | [illegible] साधु

[illegible]

ए० एकुकतीनेत० — नजीक | से० तेजा० यावत — अ० साधुते | का० काल — करीने | क० कहे — गयो | कु० कहेवत० — उपनो | ए० इमस्व० [illegible] — देगौतम | स० साहू [illegible] — शिष्य

[illegible]

त० ती — मल | ज० जिम — नीव | स० श्रमण — तपस्वी | जा० यावतकाकाल — कि० करीने | उ० उ — चा | [illegible] — उमा | जा० जावत — विमालने | वि० विज [illegible] — विषे | [illegible] — पणे | [illegible] — नो | [illegible]

[illegible] विमाणे [illegible] उववण्णे [illegible]

तं० तेवानतपूज्य — दे० देवतेहनी | [illegible] देवलोकात [illegible] — स्थिति [illegible] | प० क — दा | गो० हेगो — तम | ब० [illegible] सागरोपम — सिमती | ठि० स्थिति [illegible] — प० कहा | से० तेणं० हेनामा — न ता० ते

[illegible] कालं [illegible] सागरोवमा [illegible] सेणं [illegible]

दे० [illegible] — एकी | आ० आक्षेपी [illegible] — यकरीने | न० देवता [illegible] — [illegible] करीने | ठि० देवता [illegible] | [illegible] करीने कु० [illegible] | क० [illegible] | गो० हेगो — तम

[illegible] देवलोगाउ आउक्खएणं [illegible] उववज्जिहिति [illegible] सिज्झिहिति [illegible]

म० महाविदेहे — क्षेत्र | सि० सीझ — से | [illegible] | [illegible] श्रमण [illegible] | जा० यावत सं० — [illegible] | अ० [illegible] — [illegible] | द० दसा — ना

[illegible] सिज्झिहिति [illegible] समणेणं जाव संपत्तेणं [illegible] दसाणं

प० पहि — ला | व० [illegible] — ना | प० पहि — ला | अ० अध — यनना | अ० [illegible] — पूर्वेकह्याते | प० [illegible] — तेपरूप्या | अ० [illegible] — ई सूत्रना | प० पहिला — [illegible] ता | प० पहिला अध — [illegible]

[illegible] पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते [illegible]

प० [illegible] — एं समयता [illegible] | ए० [illegible] — अध्ययन | न० [illegible] — मजाणवो | [illegible] — विशेष | स० [illegible] — [illegible] | वि० [illegible] — मार [illegible] | वि० [illegible] — कुमर २

[illegible] विदेहे [illegible]

वे० [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | सा० [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible]

[illegible]

२

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

अणुत्तर० ३

दो० दोई पं० करता० | सा० चारित्रपर्याय पाल्यो | आ० पदि जा | पं० पंच ने | आ० अनु क्रमे | उ० उप ना | वि० विजा | वि० विज | ज० जत

दोण्हं पंच वासाइं सामण्णपरियाओ आणुपुव्वीए उववाओ विजए वेजयंते जयंते

अ० अप राजित ४ | स० सर्वार्थे सिद्धे रूप नाप ५ | दी० दीर्घ दंत तेपि ए | स० सर्वार्थे सिद्धे उप ना ६ | उ० उत्तरा | अ० अनुत्तर कुमार ना [illegible]

तेरस अपराजिए ४ सव्वट्ठसिद्धे ५ दीहदंते सव्वट्ठसिद्धे ६ उक्कमेणं सेसा ७ अभओ विजए सेसं जहा प

अ० अनुत्तर कुमार नो वि एणा० एतलो विशेष | रा० राजगृह न० नगरे | से० श्रेणिक नामे राजा | दे० नं देवी राणी माता | से० सेष थाक तात्वर्तिम ज | ए० इम खलु निश्चे करीने जं० हे जंबू स० श्रम

ढमे अत्थस्स णं रायगिहे नयरे सेणिए राया नंदा देवी माया सेसं तहेव एवं खलु जंबू सम

ण० ज्ञा० यावत् सं० मोक्ष पहूंता तेणे | अ० अनुत्तरो ववाईय | द० दसा ना | प० पहि जा | व० वर्गना | अ० अर्थ | प० कह्या | इति श्री अनुत्तरो ववाई [illegible]

णेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइय दसाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ पढमो वग्गो ॥

सूत्र ना पहिला वर्गनो अर्थ कह्यो इति श्री अनुत्तरोववाई [illegible] | [illegible] श्रमण [illegible] | सो क्षपहुंता तेणे | द० दसा ना | प० पहि जा | व० वर्गना

॥ १ ॥ श्री ॥ जइ णं [illegible] सं[illegible] तेणं अणुत्तरोववाइय दसाणं पढमस्स वग्ग

वेक नेविशे० | दो० बीजा | ज० हे भगवन् पूज्य | अ० अनुत्तरोववाईय | द० दसा ना | स० श्रमण भगवंते | जा० यावत् सं० मोक्ष पहुंता तेणे

स्स अयमट्ठे पण्णत्ते दोच्चस्स णं भंते वग्गस्स अणुत्तरोववाइय दसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं ।

के० केहो अर्थ प० कह्यो | ए० इम खलु निश्चे जं० हे जंबू | स० श्रमण भगवंते | जा० यावत् सं० मोक्ष पहुंता तेणे | अ० अनुत्तरोववाईय | द० दसा ना | दो० बीजा | व० वर्गना

के अट्ठे पण्णत्ते एवं खलु जंबू समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइय दसाणं दोच्चस्स वग्गस्स

ते० तेरह | अ० अध्ययन | प० कह्या | तं० ते कहे छे | दी० दीर्घसेन १ | म० महासेन २ | ल० लष्ट दंत ३ | गू० गूढदंत ४ | सु० सुद्धदंत ५ | ह० हल्ल कुमार ६ दु० दुम कुमार ७

तेरस अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा दीहसेणे महासेणे लट्ठदंते य गूढदंते य सुद्धदंते हल्ले दुमे ।

ढ० दुमसेन कुमार ८ | म० महादुमसेन कुमार ९ | आ० कह्या | सी० सिंहसेन कुमार ११ | म० महासीहसेन कुमार १२ | आ० कह्या | पु० पुण्यसेन कुमार १३ | बो० जाणवो

[illegible] दुमसेणे महादुमसेणे य आहिए सीहसेणे य [illegible] महासीहसेणे य आहिए पुण्णसेणेत्ति य बोधव्वे

अ० अध्ययन | ज० हे भगवन् | स० श्रमण तपस्वी | जा० यावत् सं० मुक्ति पहुंता तेणे | अ० अनुत्तरोववाई दसा ना | दो० बीजा | व० वर्गना

[illegible] अज्झयणा जइ णं भंते [illegible] तेणं अणुत्तरोववाइय दसाणं दोच्चस्स व

[illegible] अध्ययन | प० कह्या | दो० [illegible] | [illegible] प० पहिला | अ० अध्ययन | स० श्रमण तपस्वी | जा० यावत् संपहुंता तेणे

[illegible] अज्झयणा पण्णत्ता दो[illegible] स पढम अज्झयणस्स [illegible] समणेणं जाव संपत्ते

[illegible] अर्थ | ए० इम खलु निश्चे जंबू | [illegible] | गु० गुणसिल [illegible] | से० श्रेणिक ना [illegible]

ए के अट्ठे पण्णत्ते एवं खलु जंबू [illegible] रायगिहे नयरे [illegible] सेणिए राया

[illegible] राणी ना | सी० सीहनो स्वप्न दीठो | ज० [illegible] कुम [illegible] | [illegible] | दी० दीर्घसेन कुमार नाम

[illegible] णी देवी सीहो सुमिणे [illegible] [illegible] सं [illegible] दीहसेणे कुमारे

[illegible] ति० निश्चे करी ने | ज० जाली कुमार जिम | [illegible] | [illegible] राजा | [illegible] | [illegible] कुमार

[illegible] सव्वेवत्तव्वया जहा जालिस्स [illegible] सविराय [illegible] सेणिए [illegible] धारणी माया

ते० तेरे कुं | सो० सोल वर्ष लगे | प० पालि [illegible] | वि० विजय विमाने | वे० वैजयंत विमाने | ज० जयंत विमाने

तेरसए हवि सोलस वासाइं परि[illegible] [illegible] विजए [illegible] [illegible] तेरसि [illegible]

दो० बे | अ० अपराजित विमाने दो | से० सेष थाक [illegible] | [illegible] सिद्धे | ए० इम खलु निश्चे जंबू | स० श्रमण तपस्वी

[illegible] अपराजिए दोण्णि सेसा [illegible] सिद्धे एवं खलु जंबू समणेणं

अणु०त० ४

जा० यावत्संथा० द्वीपकुं तातेण | अ० अणुत्तरोव वाईय दशा | ना० द्वि०बीजा व० वर्गना | अ० एह्वा अर्थ प० कह्या | मा० मास नी | सं० संलेष णाकिधी | दो० बेहुं वर्गना बीजा

जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स [illegible] मासियाए संलेहणाए दोसु वि [illegible]

इति श्रीअणुत्तरोववाई सूत्र नो बीजो वर्ग संपूर्ण २ | ज० यत्र [illegible] | [illegible] | अ० अणुत्तरो ववाई | छ० द साना | [illegible]

स० द्वितीयो वग्गो सम्मत्तो ॥ २ ॥ [illegible] संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दो

त० वर्ग ना | अ० एह्वा अर्थ प० कह्या | त० त्री पूज्यप [illegible] | अणुत्तरोववाई दसाना | स० श्रमण त० तपस्वी | जा० यावत् सं० सिद्ध स्थानके

[illegible] वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते तस्स [illegible] रोववाइयदसाणं समणेणं जावसंपत्ते

[illegible] अणुत्तरोववाइय दसाना | त० त्रीजा व० वर्गना

[illegible] पण्णत्ते एवं खलु जंबू [illegible] अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स

[illegible] अध्ययन | ते० तेरा | [illegible] | तृतीय | [illegible]

[illegible] अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा [illegible] रामपुत्ते य चंदिमा

[illegible] पेढालपुत्ते अणगारे [illegible] सव्वत्थसिद्धे [illegible]

[illegible] अज्झयणा पण्णत्ता [illegible] अज्झयणस्स [illegible]

[illegible] अणुत्तरोववाइय दसाणं [illegible]

[illegible] अणुत्तरोववाइयदसाणं [illegible] ४

अणु०त० ५

नि० निक ल्यो | त० तिवारे ते धं० धन्ना दा० बालक | त० ते प० मोटा एकम नु ष्य नो उ० सं नल्यो | ज० जिम जमाली निकल्यो ति० रे मित हां थी निकल्यो | त० एवि० | पा०

[illegible] तिनिग्गए [illegible] जहा जमाली तहा निग्गए नवरं पाए

थोवें दराजा वत | जं० जेणे ए तल जीति | अ० मातापिता सं० सार्थ कहे ने | आ० पू छीने | त० तिवारे प छे अ० धुं देवानुप्रिय आ वुं कहे | अ० स मीपे

विहारेणं जाव जं नवरं अम्मयं आपुच्छामि तएणं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए

जा० जावजमाली नीपरे | जा० जाव जमाली नीपरे | त० तिमपूछे पूछीने | मु० मूछी ले | कु० कुमर दीक्षा | ज० जिमम्हे ब्रवंत

जाव [illegible] जहा जमाली तहा आपुच्छइ [illegible] जहा मेहकुमारो ।

जा० जावत मातापिता सम र्थ न थीया | ज० जिम थावच्चा पुत्र | जि० जितशत्रुने पूछे पूछीने | [illegible] | स० स्वयमेव जितशत्रु राजा [illegible]

जाव [illegible] जहा थावच्चा [illegible] जियसत्तू

ज० जिमथावच्चापुत्र [illegible] | [illegible] जनमहुं ते | ई० ईर्या [illegible] सहीत | जा० यावत [illegible]

[illegible] करेइ जहा थावच्चापुत्तस्स [illegible] जाव इरियासमिए जाव गुत्तबंभ

त० तिवारे ते धं० धन्नो अणगार | ज० जि [illegible] | ज० यावत [illegible] | ते० तेणेदिवसे | स० श्रमण भगवंत महावीरने

यारी [illegible] जं चेव [illegible] जाव [illegible] तं चेव दिवसं समणं भगवं महा

[illegible] | ए० एहवा वचन | अणुत्तरोववाइय दसाना | [illegible] | तं० हे भगवन तुम्हारी | अ० आज्ञा थका

वीरं [illegible] नमंसइ नमंसित्ता एवं वयासी [illegible] इच्छामि णं भंते [illegible]

जा० जावजीव | [illegible] | अ० अंतरार | [illegible] | त० तप कर्मे ते | [illegible]

[illegible] जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं [illegible] अप्पाणं [illegible] ५

तें० तेणे कालें तेणे समये | का० काकंदी नामे नगरी हो० होती | रि० ऋद्धि नवनादिके करी सहीत | स० सहस्रांबवन उद्यान नंदनवन जे तेहने केहवो छे | स० सर्व ऋतुना फल फूलकरी सहित जि० जि

तेणं कालेणं २ काकंदी नामं नयरी होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धा सहस्संबवणे उज्जाणे सव्वोउय जिय

तश्त्रु नाम राजा | तें० ते | का० काकंदी नामे नगरीने विषे | न० नगरीमां साथवाही | अ० ऋद्धि वंत छे | जा० यावत धनवंत जितीन जाई ते० तेहनो

सत्तू राया तत्थणं काकंदीए नयरीए भद्दा णामं सत्थवाही परिवसइ अड्डा जाव अपरिभूया तीसे

स० सार्थवाहीनो पुत्र | ध० धन्ना नामे दा० बाल कहे छे | अ० एक इंद्री हीन नथी जा० वंत संदर आकारने | पं० पांच धात्रीए करीने ग्रहेर्यो छे | तं० तेहना नाम कहे छे खी० खीर धा

णं भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते धण्णे नामं दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे पंचधाइपरिग्गहिए तंजहा खीर

इ | ज० जिम म० महाबल कुंवर | जा० यावत बोहोत्तर कलासहित | जा० यावत अ० समर्थ हुवो भोग भोगववाने | जा० यौवन वयमां हुवो | त० तिवारे ते

धाइए जहा महब्बलो जाव बावत्तरिं कलाओ अहिए जाव अलं भोगसमत्थे जाए यावि होत्था तए णं सा भद्दा

स० सार्थवाही | ध० धन्ना बाल कने | उ० बालपणाथी मूकाणो | जा० यावत भोग भोगववा समर्थ वि० जाणीने | ब० बत्रीस प्रासाद महेल तेह करावीने

सत्थवाही धण्णं दारयं उम्मुक्कबालभावं जाव भोगसमत्थं वियाणित्ता बत्तीसं पासायवडिंसए करेइ अ

अ० अत्यंत ऊंचा महेल | जा० यावत तेहने विचाले एक महेल ते केहवो | अ० घणा एक थंभ संकडो सहित महेल | जा० यावत | इ० इभ्य कुलनी व्यवहारीनी कन्याते

ब्भुग्गयमूसिए जाव तेसिं मज्झे भवणं अणेगखंभसयसंनिविट्ठं जाव बत्तीसाए इब्भवरकन्न

ए० एक दिवसे पाणिग्रहण | ब० बत्रीस दायजो | जा० जावत उपरि महेलने विषे बेसु नाटक करीने | तो जा० यावत विचरे ते० तेणे काले तेणे

गाणं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हावेइ २ त्ता बत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासाए फुट्टंतेहिं जाव विहरति तेणं

स० श्रमण तपस्वी म० श्री महावीर | स० समोसर्या | प० पर्षदा वांदिवा चाली | रा० राजा | ज० जिम कोणिक राजा नीकल्यो तिम | जि० जितशत्रु राजा नीकल्यो

कालेणं २ समणे भगवं महावीरे समोसरणं परिसा निग्गया राया जहा कोणिओ तहा जिय

त० तिवारे पछी ल० लगारेक | अ० कहावतां पाणी पीणो | त० तिवारे ते न० नगरना लोक | त० तिवारे तेह धन्ना | अ० अणगार | अ० दीन पणे | अ० क्रोधादिके करी रहित

[illegible] अह पाणं च नलहइ अहापणं लहइ तओ पाणं न लहइ तए णं से धण्णे अणगारे अदीणे अविमणे

अ० विखवाद रहित | अ० मन संतोष ना विकार रहित | ज० पामे तोते पिण लेइ | अ० जे तप तप करी | प० लीधो लेइने

अकलुसे अविसाइ अपरितंतजोगी जयणघडणजोगचरिते अहापज्जत्तं समुदाणं पडिगाहेइ २ त्ता

का० काकंदी नगरीथी नीकलीने | ज० जिम गौतम | जा० पूर्वे कह्या तिम | ध० धन्ने पिण देखाड्यो | स० श्रमण भगवंत

काकंदीओ नयरीओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जहा गोयमे जाव पडिदंसेइ तए णं से धण्णे अणगारे समणेणं भग

म० श्री महावीर | अ० आज्ञा | अ० मूर्छा रहित | जा० पूर्वे कह्या जाण | एकाग्र रहित ध० बिल जिम बिलमांहि प० साप पेसे

वया अब्भणुण्णाए समाणे अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आ

आ० आहार करे करीने | सं० संयम तपे करी | अ० आप | भा० भावतो [illegible] | त० तिवारे ते श्रमण भगवंत श्री महावीर

हारं आहारेइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ तए णं से समणे भगवं महावीरे

अ० एकदा समे | का० काकंदी नगरीथकी | स० सहस्रांब वन | उ० उद्यानथकी | व० निकलीने | ब० बाहिर | ज० जनपद देशमां

अण्णया कयाइं काकंदीओ नयरीओ सहस्संबवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवय

[illegible] | त० तिवारे ते धन्नो अणगार | स० श्रमण भगवंत | स० महावीर | त० तथारूप करीने विराजमान ते स्थविरने समीपे | सा० सामायिक

विहारं विहरइ तए णं से धण्णे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामा

[illegible] इग्यारे अंग | अ० भणतां ते | सं० [illegible] करी | [illegible] आपणी आत्मा | ध० धन्नो अ० साधु

इयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ तए णं से धण्णे अ

तं तिवारे बेलानो पारणो आवे तिवारे कल्पे | मे० फज ने | आ० आ बिल | प० ग्र ह | लो० नहीनि श्रे | आ० आंबिल उदनादिक इतेन से तं० ते पिण वरछे हत्यादिके

[illegible] उच्छसतियं पच्चरएणं[illegible]सि कप्पइ मे [illegible] पडिग्गाहित्तए [illegible] अणवक्खं [illegible]संस

[illegible] ते श्रेष्ठ करी ने आ० अ [illegible] वस्ये वलुं | उ० नाखवानो धु० स्व जावढो | लो० लद ते० नीढ | अ० अणगार घकानो धु० स्तजावढे नही | तं० तेपिण जे | अ० [illegible]

स[illegible] तेणं [illegible] मं [illegible] दिन्नाणं वसियं [illegible] [illegible] समणं [illegible]यधम्मियं तं पियं [illegible] वद्दते स

स० [illegible] ला आ० अणगा डि घ० उत्तिघूनी | पा० पात्र अतिप्रि० नास कालए | हेत हुवा | [illegible] मकष छे तिम करीदेण देताकहीया | मा० एतक रतिति बेही नहतिव रे | तं० तिवा रेते

[illegible] सस्स अणगारस्स पाया [illegible] तिसंसा [illegible] सकंदेताणकम्पिया मापडिबंधंकरेह तएणंसे

ध० धन्नो अ० अणगार साधूनी | पा० प्रमनी डांगु जीते | अ० एतद्रूप रूप | [illegible] | हू० हर्ष पांम्यो | जा० जातजी बलगो | तं० ते लेर पारणो

धूलि[illegible]गणं अणगारस्स [illegible]मुलिआणं [illegible] [illegible] ते [illegible] समाणे हहतुठे [illegible]जीवाए [illegible]

अ० अ साउ उडदते हनी कली रखते सरीखी | तं० कोमल थकी बि० वेदी | उ० ता ए | [illegible] आपुणि आमानेनारतो [illegible] निण्क्वि रे | त० तिमरे ते धनो ऽण गार

अ[illegible] मासस [illegible] [illegible] ते णा विहर लएणं से धणे अणगारे

प० प्ता अ० आए स्रनी | पा० पाणीनी आंगुली तिसूकी | जौ० याव त पहिलो बाणे ते ति मजोई | ज० जिमगोतम स्वामि नी विधकही तिम | त० तिमजआ० | इहे

[illegible] पारस्य [illegible] सारले [illegible] तीत [illegible] रेह [illegible] समसामी तदेते [illegible] जाव

जे० ति हां | का० काकंदीना मे नगरी हे | ते० तिए उ० आवे आवीने | [illegible] घस | टे० पद्धतिमे ए ते र | उ० ऊंच कुलने विषे जाव तकि रता छ कडा बिल ए ए पत द ना दिक दीधे उछित एपत कुंते नलि

[illegible] काकंदीनयरी तेणे [illegible] [illegible] देति [illegible] तेहजा [illegible] साधेआयहिलं [illegible] अणगरं

[illegible] | जा० पूर्वोक्तिपा व्रना० न तं छे ते ले वो | त० ति वारे ते ध० धन्ना अ० अ णगार | ता० ते अ० रू मी ति श्रेक री ने | प० तल प ऐ | प० ग्रहण क रूप ऐ | ए० आ ते खता छका | त० जो आहा र ल० पामे

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] | ध० धन्ना अ० अ णगारना | [illegible] | ज० साथ ल से० ते ज० तिम | सा० वि० ग्रह हुते ह नी नदी कूंपल ते ह नी साथ लहे | वी० बोर नी गोत्र गुसला का | स० सामली ट हतिश्रेष्ठतेहेना

अणुत्तरो 9

[illegible] धणस्स णं अणगारस्स [illegible] [illegible] [illegible] सा [illegible]

अ० अ | तं० कुलि बि० बेदी ने | न० ताव के दीधी उ० मलाइ जाव त रह की | ए० एणे दृष्टांते कि री ध० धन्ना अ० अणगारना | जु० साथ लजा० आवत सो० को सली डी रहित | ध० धन्ना अ० अ णगार ना

[illegible] तरुणएत्तिए [illegible] जावचिट्ठंति [illegible] [illegible] अणगारस्स [illegible] [illegible] धणस्स णं अ

क० क फी नो वा टी ते के ह को छे | इ० एतादृश रूप | सं० ते ताम तनाई | [illegible] दीवमीम [illegible] | न० रोटा से क वी | क० कमादली इतेनी को ड़ी | क० कावनी कठोनिकेद टी इई

[illegible] [illegible] [illegible] दहिता [illegible] कक्काल [illegible]

[illegible] | [illegible] फ के लीको [illegible] | अ० एतानस्प वर्ण वले | से० तेना मस ता तनाई | क० हाथ

[illegible] [illegible] [illegible] सेजहा नामए क

[illegible] | पि० पानी वसानी पोसली [illegible] लोही रहित छे | ध० धन्ना अ० अणगार नी | [illegible] तीके ठी छे

[illegible] धण्णस्स [illegible] अणगारस्स [illegible]

[illegible] ते ह नी हत लोत मत छ | ता० [illegible] दी जाए | ए० एणे दृष्टांते करी ने

संकट [illegible] पसिति [illegible] पलीति [illegible]

[illegible] | [illegible] द | अ० एतादृश रूप | से० तेना मसता तनाई | सा० पेताकि तदनी कलि

[illegible] अथमेया रूवे सेजहा नामए सामिसंगलि

[illegible] फली | अ० आस्तियानी सं० कलीत हसारी थी | [illegible] छे | इं० तधन्ना अ० अणगारनी | [illegible] सूका

[illegible] [illegible] लियातिवा [illegible]संगलियातिवा एवामेव धणस्स अणगारस्स बाहाणं सु[illegible]

तं० तेनु० उदार प्रधान तपकरी कृश करीने | ज० जिम खंधक अंबड | जा० यावत्‌ प्रतिष्ठी होमा ली क्रूड प्रग्नि तेहनी परे | उ० प्रतिष्ठी देदीप्यमा नथको वि० रहेछे | ध० धन्नो ना प्र० प्रणगा रसा धुना | पा० पग नो | प्र० एतान रूप

...तेणं ओरालेणं... जाव उवसोभेमाणे चिट्ठइ धण्णस्स णं अणगारस्स पायाणं अयमेयारू...

तं० तपे करीने रू० सरीर ना प्र० कारना जा० संकुचाणा थया सूकी गया | से० ते ज० यथा दृष्टांते | स० सूक्की छाल वृक्षनी ते सरीखी | क० काष्टनी पावडी सरीखी | ज० जीरण ज० मराडुंपा | नफाले सरीखा | ए० एणे दृष्टांते

...सुक्कछल्लीति वा कट्ठपाउयाति वा जरग्गओवाहणाति वा [illegible]

...प्र० हाड चर्म नाडि ० नसा जा लेते जाणी ये छे | णि० न हीनि श्रेकरीने | मं० मांस लोही रहित त्रिधननापग

...मंससोणियत्ताए

ध० धन्ना ... नामसंना ... | कं० कलाय धान्य विशेष तेहनी फली ते सरीखी | मुं० मूंग नी फली ते सरीखी

...नामए कलायसंगलियाइ वा मुग्गसंगलि...

...वी ...री | सि० कुमलाणी ए कीसि० रहे छे | ए० एणे दृ ष्टांते

...माणी चिट्ठंति एवामेव

ध० ... पा० ... रू० ... | ध० धन्ना प्र० प्रणगा रनी | जं० जंघा पी सलिद नो | प्र० एता दृश रूप

...धण्णस्स णं अणगारस्स जंघाणं अयमेयारूवे

से० ते ज० जिम | का० वनस्पती विशेष तेहनी जंघा प्र० छवा | कं० कोर नीं ... री थी विशेष | ...विशेष तेहनी ... सरीखी | जा० यावत्‌ ति श्रेक री ने | ध० धन्ना

से जहानामए काकजंघाति वा कंकजंघा... जंघाति वा जाव णो चेव णं मंससोणियत्ताए धण्णस्स

प्र० प्र णगार नो | जा० गो डाणो | प्र० एता दृश रूप | से० ते जिम | ना० ना मसंना वना | का० वनस्प ती ति शे ष पो० तेहनी प्रीवा | स० सीर नो गीमो | दे० पंखी विशे ष तेह ना गो डा

अणगारस्स [illegible] जाणुयाणं अयमेयारूवे से जहा... रेति वा ...

मं० मांस लोही ते रहित करीने | ध० धन्ना | प्र० प्रणगार सा धुनो | ऊ० साथल प्र० एतान रूप व र्णव्या छे | से० ते जिम ना म संना छे | स० सूक्की जली क जे हवी कूचे | सो० सेरे सनी गोली तरुणनी

...बोरी करील... ऊरूणं अयमेयारूवे से जहानामए सामकरीलेति वा सोल्लई...

ग० प्रा जनाल रवारसति हनी गोली पाडी | प्र० वनस्पती विशेष ते हनी पि० कातली किधी हूई | ए० एणे दृष्टांते | ध० धन्ना प्र० प्रण गारना

...यति वा सालमलीति वा ... तेंदु... एवामेव धण्णस्स णं अण...

तं० डोल स्रकी | जा० यावत्‌ तोणं हानि श्रे करी ने | मं० मांस लोही र हीत | ध० धन्ना प्रणगा रनी | जि० जि रूपा | प्र० एता नरू प वर्णवीं छे | से० ते जिम ना

...ण सुक्का जाव णो चेव णं मंससोणियत्ताए धण्णस्स णं अणगारस्स जिब्भा अयमेयारूवे से जह

म० स ना ना | त० फ सहित नो | प० पत्रे न हि ए न | ...पान सूका | सा० सागना पानसूका | ए० एणे दृष्टांते ध० धन्ना नी

हानामए वडपत्तेति वा ... पत्तेति वा सागपत्तेति वा एवामेव धण्णस्स णं अणगारस्स

ति० जि ह्‌न सूकी | जा० जावत्‌ तो० न दी | मं० मांस लोही ते ए क री ने रहीत | ध० धन्ना प्र० प्रणगारनी | ना० नासिका नाक ते केहवी | प्र० एता दृश रूप | से० ते जिम ना

...हा सुक्का जाव णो चेव ... मंससोणियत्ताए धण्णस्स णं अणगारस्स नासा अयमेयारूवे से जहा

ना म संना इ | प्र० अंबानी गुठली | प्र० वनस्पती विशेष ते हनी कातली | मा० बीजोरानी पत्रता लीकडी | तं० कीमु ... सरीखी | ए० एणे दृष्टांते ध० धन्ना

हानामए अंबगपेसियाति वा अंबाडगपेसियाति वा ... मातुलिंगपेसियाति वा तरुणिया एवा एवामेव

प्र० प्रण गारनी | ना० नासिका सूकी | जा० जावत्‌ ता० न निश्रे | मं० मांस लोही र हित | ध० धन्ना प्र० प्रणगारनी | प्र० प्रांखनी दहीत

...सुक्का जाव णो चेव णं मंससोणियत्ताए धण्णस्स णं अणगारस्स अच्छीणं ॥

प्र० एतान ... नाम संना इ | वि० वीणाना छिद्र समान | व० जीरा वाजित्र ना छिद्र समान | व० प्रभात ना तारा के हवो दीसे | ए० एणे दृ ष्टांते

...नामए वीणाछिड्डेति वा ...सगछिड्डेति वा पभायतारगाति वा एवामेव

...यहाए धणस्स अणगारस्स हत्थाणं अयमेयारूवे सेजहानामए सुक्कछगणियाति वा
वडपत्तेति वा ... तिवा एवामेव धणस्स अणगारस्स हत्थाणं जाव नो चेवणं मंससोणियत्ताए धणस्स
अणगारस्स हत्थंगुलियाणं अयमेयारूवे सेजहा... कलसंगलियातिवा मुग्गसंगलियातिवा मास
संगलियातिवा तरुणिया छिन्ना ... मिलायंति एवामेव धणस्स अणगारस्स हत्थं
गुलियाओणं सुक्काओ जावणो चेवणं मंससो... अणगारस्स गीवाए अयमेयारूवे सेजहाना
मए करगगीवाइवा कुंडियागीवाइवा उच्चट्ठवणएतिवा एवामेव धणस्स अणगारस्स गीवाए जा
वणो चेवणं मंससोणियत्ताए धणस्सणं अणगारस्स हणुयाए अयमेयारूवे सेजहानामए लाउफलेति
वा हकुयफलेति वा अंबगट्ठियाति वा एवामेव धणस्सणं अणगारस्स हणुयाए जाव णो चेवणं

...मालाविव गणिज्जमाणेहिं पिट्ठिकरंडगसंधिहिं गंगातरंगभूएणं
उरकडगदेसभाएणं सुक्कसप्पसमाणाहिं बाहाहिं सिढिलकडालीविव लंबंतेहिय अग्गहत्थेहिं
कंपणवाइएविव वेवमाणीए सीसघडीए पव्वाइयवयणकमले उब्भडघडामुहे उब्बुड्डनयणकोसे
जीवंजीवेणं गच्छइ जीवंजीवेणं चिट्ठइ भासंभासित्ता गिलाइ सेजहानामए इंगालसगडि
याइवा जाव ... जाव हुयासणे जाव भासरासीपलिच्छण्णे तवेणं तेएणं तव तेयसिरीए उव
सोभेमाणे चिट्ठति तेणंकालेणं २ रायगिहे णगरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया तेणंकालेणं २ स
मणे भगवं महावीरे समोसरणं परिसा णिग्गया सेणिए निग्गए धम्मकहा परिसा पडिगया
तएणं से सेणिए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म समणं भगवं

…उंमंससोणियत्ताए कलीसकडा जाव नो चेव णं मंससोणियत्ताए धण्णस्स णं अणगारस्स कन्नाणं॥
अयमेयारूवे तवरूवलावण्णे होत्था से जहा नामए मूलछल्लियाति वा वालुंकछल्लियाति वा कारेल्लयछल्लियाति वा एवा
मेव धण्णस्स णं अणगारस्स कन्ना सुक्का जाव नो चेव णं मंससोणियत्ताए धण्णस्स णं अणगारस्स सीसा
स्स अयमेयारूवे से जहा नामए तरुणगलाउए ति वा तरुणएलालुयत्ति वा सिण्हालए ति वा ति त
रुणए जाव चिट्ठइ एवामेव धण्णस्स अणगारस्स सीसं सुक्कं लुक्खं निम्मंसं अट्ठिचम्मछिरत्ताए पण्णा
यइ नो चेव णं मंससोणियत्ताए एवं सव्वत्थ नवरं उदरभायणकन्नजीहा उट्ठा एएसिं अट्ठि न
भण्णइ चम्मछिरत्ताए पण्णायइ धण्णे णं अणगारे जाव नो चेव णं मंससोणियत्ताए धण्णे णं अणगारे णं सुक्केणं
लुक्खेणं पायजंघोरुणा विगयतडिकरालेणं कडिकडाहेणं पिट्ठिमवस्सिएणं उदरभायणेणं जोइज्ज…

अनुत्त०
१०

एवं … इमासिं चउदसण्हं समणसाहस्सीणं धण्णे अणगारे महादुक्करकारए चेव महानिज्जरकारए
एवं तएणं से सेणिए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ
समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेत्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता जेणेव धण्णे
अणगारे तेणेव उवागच्छइ धण्णं अणगारं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेत्ता वंदइ
नमंसइ वंदित्ता एवं वयासी धन्नेसि णं तुमं देवाणुप्पिया सुपुण्णेसि णं कयत्थेसि कयलक्खणे सुलद्धेणं
देवाणुप्पिया तव माणुस्सए जम्मजीवियफले त्ति कट्टु वंदइ नमंसइ वंदित्ता जेणेव समणे भगवं
महावीरे तेणेव उवागच्छइ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करे
त्ता वंदइ नमंसइ जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए तएणं तस्स धण्णस्स अणगा

१०

वं॰ वांदे ण॰ नमस्कार करीने | ए॰ इम व॰ कहे | इ॰ इहां प्रत्यक्ष हे मदन पूज्य | इं॰ इंद्रभूति प्रमुख ए॰ आदि दइने | च॰ चउदे सहस्र श्रमण साधुना सा॰ हजार मांहि

महावीरं वंदइ नमं[सइ] २ त्ता एवं वयासी इमेसिं णं भंते इंदभूइपामोक्खाणं चउदसण्हं समणसाह॰

क॰ कुण अ॰ अण गार साधु छे | म॰ मोटो दुक्कर करणहार | म॰ मोटी निर्जरानो करणहार | ए॰ इम ख॰ निश्चे से॰ श्रेणिक | इ॰ एणह छे

स्सीणं कयरे अणगारे महादुक्करकारए चेव महानिज्जरतराए चेव एवं खलु सेणिया इमासिं

इ॰ इंद्रभूति प्रमुख आदि दइने | च॰ चउदे सहस्र श्रमण साधुना स॰ हजार मांहि | ध॰ धन्नो अ॰ अणगार | म॰ मोटो दुक्कर करणहार | म॰ मोटी निर्जरा

इंदभूइपामोक्खाणं चउदसण्हं समणसाहस्सीणं धन्ने अणगारे महादुक्करकारए चेव महानि

नो करण हार | ए॰ इम ख॰ निश्चे श्रेणिक | ते॰ ते काले ते समे | उ॰ ऊपरि प्रासाद | का॰ काकंदी नाम नगरी हुंती | उ॰ ऊंचो प्रासाद मोहिल | ते विषे कपणो थको

ज्जरतराए चेव एवं खलु सेणिया तेणं कालेणं तेणं समएणं काकंदी नामं नगरी होत्था उप्पिं पासायवडिंसए

विचरे | त॰ ति वारे | अ॰ एक दाडे | पु॰ पूर्व अनुक्रमे चालतो | ज॰ जिहां | गा॰ ग्राम अनुग्राम विहार करता | जे॰ जिहां काकंदी नगरी छे

विहरइ तए णं अहं अन्नया कयाइ पुव्वाणुपुव्वीए चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव काकंदी

जे॰ जिहां स॰ सहस्राम्रवन उद्यान छे | ते॰ तिहां उ॰ आवीने | अ॰ यथायोग्य स्थानक अ॰ अवग्रह आज्ञा मांगीने | सं॰ संजमे करी तप

नयरी जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागए अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं त

तप जाव तवि | प॰ परिषदा आवी | त॰ तिम जाव तक पव्व॰ दीक्षा लिधी | बि॰ जिम बिल मांहि सर्प पेसे तिम ध॰ धन्नो जाव आहार करे | ध॰ धन्ना

वसा जाव विहरइ परिसा निग्गया तहेव जाव पव्वइए जाव बिलमिव पन्नगभूएणं जाव आहारेइ धन्नस्स

अ॰ अणगार | पा॰ पगनो | स॰ सरीर वर्णन तिम करता | जा॰ जाव तव प्रतिष्ठा ते जाव मान थको तप करीने | से॰ ते अर्थे करीने | से॰ श्रेणिक

...स्स इयाणं सरीरवण्णओ सव्वो जाव ... उवसोभेमाणे चिट्ठंति। से ... यया

अ॰ अध्ययन संपूर्ण थयो १ | ज॰ जो भं॰ हे भगवन् स॰ श्रमण | जा॰ यावत अ॰ पूर्वे कहिउ तिम | ए॰ इम ख॰ निश्चे जं॰ हे जंबू | ते॰ ते काले ते समये

अणुत्तरो

स्स तइयवग्गस्स पढमअज्झयणं॰ १ जइ णं भंते समणेणं जाव उक्खेवउ एवं खलु जंबू तेणं कालेणं २।

११

का॰ काकंदी नामे नगरी हुंती | जि॰ जितशत्रु नामे राजा | त॰ तिहां | का॰ काकंदी नामे नगरी ने विषे | भ॰ भद्रा नामे स॰ सार्थवाही ते तिहां | प॰ वसे छे | अ॰ धनवंत छे

काकंदीनामं नयरी जियसत्तू राया तत्थणं काकंदीए नयरीए भद्दा नामं सत्थवाही परिवसइ अड्ढा

ती॰ तेनो तनय | स॰ सार्थवाहीनो पुत्र | स॰ सुनक्षत्र | ना॰ नामे बेटो हुंतो | अ॰ हीन नहीं पांचे इंद्रिय संपूर्ण सुरूप छे पांच धाइए करी परिवर्यो थको

दीसेणं भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते सुनक्खत्ते नामं दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे पंचधाइपरिक्खित्ते।

ज॰ जिम धन्नो | त॰ तिम बत्रीस दात दीधुं | जा॰ यावत पांच प्रासाद वत्तंसक ते ते विषे संसारना सुख भोगवतो थको विचरे | ते॰ ते काले ते समे | स॰ समवसरण | ज॰ जिम धन्नो

जहा धणे तहा बत्तीसओ दाओ जाव ... तेणं कालेणं २ समोसरणं जहा

त॰ तिम स॰ सुनक्षत्र पणि नि॰ वांदिवा निकल्यो | ज॰ ... वति म... | ...से | जा॰ यावत अणगार साधु थयो | ई॰ ईर्यासमिति करीने समिता

धणो तहा सुनक्खत्ते वि निग्गए ... णं जाव अणगारे जाए ईरियासमि

जा॰ यावत ब॰ ब्रह्मचारी थयो | स॰ सुनक्षत्र अणगार साधु | ...निश्चे से | स॰ श्रमण भगवंत म॰ श्रीमहावीर देवने | अ॰ समीपे

ए जाव बंभयारी तए णं से सुनक्खत्ते अणगारे ... दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए

मुं॰ मुंडित थइने ... | तं॰ तेहि दिने अ॰ अभिग्रह करे | त॰ तिम जा | बि॰ बिल मांहि जिम सर्प पेसे तिम आहार करे | क॰ करीने सं॰ संजमे करी तप

मुंडे जाव पव्वइए तं चेव दिवसं अभिग्गहं तहेव जाव बिलमिव आहारेइ संजमेणं तवसा जाव वि

विचरे सा॰ स्वामी बाहिर | ज॰ जनपद देश विहार करता | इ॰ इग्यार अंग भणे | सं॰ संजमे करी तप करीने आत्मा भावतो

हरइ सामी बहिया जणवयविहारं विहरइ इक्कारस अंगाइं अहिज्जइ संजमेणं तवसा अप्पा

अ०एकदा ए | पू०मध्यरात्री नेतिथे | ध०धर्मजाग रण | जा०करती थकी | अ०एतादृश रूप | अ०अध्यवसा य उपनो ४

रस्स अणगारस्स कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकाले धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४ ए

ए० इम खलु निश्चे० | इ०एणे उदार तपेकरीने | ज०जिम खंधक चिंतवणा कीधी | त०तिम जालीकुमार आ० पूछीने | थे० स्थविर साथे | वि०विपुलनामा पर्वत ने विषे दु०चढ्या चढीने

वं खलु अहं इमेणं उरालेणं जहा खंदओ तहेव चिंता आपुच्छणं थेरेहिं सद्धिं विउलं दुरूहइ

मा०एक मासनी सं०संले षणा कीधी एक मासनी | प०पाली ने | का०अवसरे काल करी ने | उ०ऊंचो चंद्रमादिक ऊर्ध्वलोक ते ऊं जा० यावत न०नवग्रैवेयक ते ह

मा मासियाए संलेहणाए एगं मासा परियाउं [illegible] कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम जाव नवगेवे

स०सर्व [illegible] | त०तिहां थी | थे०स्थविर उतरे | जा०जाव

[illegible] विमाणपत्थडे उड्ढं दूरं वीइ [illegible] देवत्ताए उववन्ने थेरा तहेव उत्तरंति जाव इ

से०ते आ०आचार भंड | तं०ते भगवंत स्वामी | [illegible] | ज०नवरं ते वा० | जा०जावत सर्वार्थसिद्ध विमाणे

से से आयारभंडए भंते त्ति भगवं गोयमे [illegible] खंदयस्स नवरं वासाइं जाव सव्वट्ठ।

त०कवण | ध०धन्नानो देहत्यागे दे०देवतानो का०केतलो काल नो स्थिति आयु कह्यो | ते०तेत्रीस सागर नी स्थिति आयु कह्यो | से०ते

सिद्धे विमाणे उववन्ने धणस्स णं भंते देवस्स केवइयं कालं ठिई प० तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० से णं

भं०हे भगवन ते देवलोक थकी | आ०आयु क्षय करी ने | क०किहां ग०जास्ये | क०किहां उपजस्ये | गो०हे गौतम | म०महाविदेह क्षेत्रे | सि०सीझस्ये

भंते ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ कहिं गमिहिति कहिं उववज्जिहिति गो० महाविदेहे वासे सिज्झि

ए०इम खलु निश्चे जं० हे जंबू | स०श्रमण भगवंत महावीर जावत मोक्ष | प०पहिला अ०अध्ययन नो | अ०एअर्थ प०कह्यो | इति श्री अनुत्तरोववाइ सूत्र ना त्रीजा वर्गनो प०पहिलो

तिए एवं खलु जंबू समणेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे प०। अणुत्तरोववाइय

वि०विहल्ल नो निक्षेप ताई कहेवो पिताई करीने | ब०बहु मास वेहल्ल कुमार | न०नवमो ध०धन्ना | से०शेष धन्ना नी परे | मा०एक मासनी सं०संलेषणा | स०सर्वार्थ सिद्ध विमा

विहल्लमस्स णिया करेइ २ आ अम्मा सा वेहल्लए नवधाले सेसा णं तहेव जाव मासियाए संलेहणाए सव्वट्ठ।

ननेवि षे | उ०उपना | छ०छ मा सनी | स०संलेषणा | म०महाविदेह क्षेत्रे सिझसी | ए०इम खलु निश्चे जं०जंबू | स०श्रमण तपस्वी भगवंत

सिद्धे विमाणे उववन्ने छम्मासा संलेहेसिं महाविदेहे वासे सिज्झिहिति एवं खलु जंबू समणेणं भगवया म

म०श्रीमहावीर देव | आ०धर्मनी आदिना करणहार | ति०चतुर्विध तीर्थ ना करणहार | [illegible] | लो०लोकना नाथ | लो०लोकने विषे प्रदीप समान | लो०लोकने विषे उद्योत ना करणहार

हावीरेणं आदिगरेणं तित्थगरेणं सय[illegible]द्धेणं लोगनाहेणं लोगपईवेणं लोगपज्जोयगरेणं अ

अ०अभय दानना दाता | स०सरणना दाता | च०ज्ञान रूप नेत्रना दातार | [illegible] | ध०धर्म ना दातार | ध०धर्मना देसक | च०चार गति ना अंत ना करणहार चक्रवर्ती

भयदाएणं सरणदएणं चक्खुदएणं [illegible]दएणं धम्मदएणं धम्मदेसिएणं धम्मवरचाउरंतचक्क

वट्टी ने | अ०अप्रतिहत ज्ञान दर्शन के केवलज्ञान केवलदर्शन ना धरणहार | जि०जीता जीतावे ते जा० जाणे ते बु०बूझ्या बुझावे | मो०मूकाणा मुकावे | ति०तरे तारे

वट्टीणं अप्पडिहयवरनाणदंसणधरेणं जिणेणं जावएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं तिण्णेणं

सि०निरुपद्रव अ०अचल अ०अरुज अ०अनंत अ०अक्षय | म०जे हुंनी | म०बाधा पीडा रहित | सि०सिद्धि गति नामे ठाणके हुंनो नाम सिद्धि क्षेत्र लोकने

तारएणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खय मव्वाबाह मपुणरावत्तिं सिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपत्तेणं

ते अ०अनुत्तरोववाइय | त०त्रीजा वर्गना | अ०एअर्थ प०कह्यो | इति श्री अ०अनुत्तरोववाइ दशा ना तीजा वर्ग नो अर्थ संपूर्ण

अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे प०। इति श्री अणुत्तरोववाइय सूत्रम संपूर्णम्

अ०अनुत्तरोववाइ | ए०एक श्रुतस्कंध | ति०त्रिण वर्ग | ति०तीन दिवसे करी ने उद्देशो कहे

अणुत्तरोववाइयदसाणं एगो सुयखंधो तिण्णि वग्गा तिसु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जइ। १२

एं जाव सेमाणे विहरइ तएणं से सकनरके अणगारे तेणं कालेणं जहा खंदए तेणं कालेणं २ रायगि

हे नयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया सामी समोसढे परिसा निग्गया धम्मं कहेइ रायानिग्गओ

राया परिसा पडिगया तएणं से सकनरके अणगारे अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि

धम्मजागरियं जागरमाणस्स जहा खंदयस्स बहूवासा परियाओ गोयमपुच्छा तहेव कहेइ जाव स

व्वट्ठसिद्धे विमाणे देवत्ताए उववन्ने तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिति प० से णं भंते महाविदेहे वासे सिज्झिहि

ति प० एवं सकनरव हमामेणं सेसा णेठि[illegible] अज्झयणा णायव्वा नवरं अणेगवसीए दोणि रायगि

हे दोणि साकेए दोणि वाणियगामे नवमो हत्थिणापुरे दसमो रायगिहे नयरे एवं भणि तहा तज

णीण तवहुणि बत्तीसं इआ बत्तीसं हारओ एवं एरविनिरकमणं थावच्चापुत्तस्स सरीरं॥

तहा पढमे वग्गो दसमो देसमा बीए वग्गो तेरसउद्देसगा से संजहा नायाधम्मकहाणं तहा णेयव्वं॥५॥

इति श्री अनुत्तरोववाई सूत्र संपूर्णं॥

ति श्री अणुत्तरोववाइयसुत्तं समाप्तमगात्॥ श्री॥ ॥श्री॥

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

अष्टकरो०

१२

LIBRARY OF THE BOMBAY BRANCH OF THE ROYAL ASIATIC SOCIETY

१२